Page No.
Date:
YOUVA

माँग की लोच के प्रकार
(Kinds of Elasticity of Demand)

मूल्य मे परिवर्तन के फलस्वरूप विभिन्न वस्तुओ की माँग मे अलग-अलग परिवर्तन होता है अतः अर्थशास्त्रियो ने माँग की लोच के विभिन्न प्रकार बतलाये है। माँग की लोच के पाँच प्रकार होते है—

(1) पूर्णतः लोचदार माँग (Perfectly elastic demand):— जब मूल्य मे कमी होने पर माँग मे अनन्त (infinite) वृद्धि हो जाय तथा मूल्य मे अल्प वृद्धि होने पर भी माँग बढ़कर शून्य हो जाय तो माँग पूर्णतः लोचदार (Perfectly elastic) होती है।

(2) समलोचदार माँग या माँग की लोच इकाई के बराबर (unit elastic demand or elasticity of demand equal to unity):— जिस अनुपात मे मूल्य मे परिवर्तन हो उसी अनुपात मे माँग मे परिवर्तन हो तो इसे समलोचदार माँग या माँग की लोच इकाई के बराबर कहते है।

(3) सापेक्षिक लोचदार माँग या माँग की लोच इकाई से अधिक (Relatively elastic demand or elasticity of demand more than unity):— जिस अनुपात मे मूल्य मे परिवर्तन हो रहा हो उससे अधिक अनुपात में माँग मे परिवर्तन हो तो इसे सापेक्षिक लोचदार माँग या माँग की लोच इकाई से अधिक कहते है।

(4) सापेक्षिक बेलोचदार माँग या माँग की लोच इकाई से कम (Relatively inelastic demand or elasticity demand less than unity):— जिस अनुपात मे मूल्य मे परिवर्तन हो रहा हो उससे कम अनुपात मे माँग मे परिवर्तन हो तो उसे सापेक्षिक बेलोचदार माँग या माँग की लोच इकाई से कम कहते है।

(5) पूर्णतः बेलोचदार माँग (Perfectly inelastic demand):— जब मूल्य मे कमी अथवा वृद्धि का माँग पर कुछ भी प्रभाव न पड़े तो इसे पूर्णतः बेलोचदार माँग कहते है।

Scanned with CamScanner